

Hindi Reader

हिंदी

हिंदी पाठ्यपुस्तक

6



लेखिका:  
बबीता चौधरी

With the blessings of :

Our Parents

## Hindi Reader

# हिंदी 6

हिंदी पाठ्यपुस्तक

### Copyright © Publishers

All rights reserved. No part of the publications may be reproduced, transmitted or distributed in any form or by any means without prior permission in written. Any person who does any unauthorised act in relation, Publications may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

### Limits of liability and Disclaimer of Warranty:

The Authors, Editors, Designers and the Publishers of this book have tried their best to ensure that all the texts are correct in all aspect. However, the authors and the publishers does not take any responsibility of any errors, if happened. The correction of errors, if found will duly be done in the next edition.

MADE IN INDIA



Support Recycle

Save a Tree  
Save the Earth

One Ton of this Paper Saves 17 trees

Max Retail Price: On Back Cover

### Edited & Designed by:

Editone International Pvt. Ltd.

### Based on:

- National Education Policy 2020
- NCF 2022
- Activity Based Format
- Innovative Approach
- Learning with fun
- Eco-Friendly Paper



# आमुख

विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सरल एवं स्पष्ट माध्यम भाषा ही है। भाषा में सम्मिलित कौशलों की सहायता से विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाता है। विद्यार्थियों के प्रभावपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में शैक्षिक प्रणाली का अहम् योगदान होता है। इस प्रणाली में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय मूल्यों तथा जीवन कौशल का समावेश होना आवश्यक है।

प्रस्तुत पुस्तक शृंखला (कक्षा 1-8) में भाषा के चारों कौशल— श्रवण, वाचन, पठन, लेखन के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। इस पुस्तक शृंखला में चिंतन-मनन (Thinking), विश्लेषण (Analysis), कल्पनाशीलता (Imagination), रचनात्मकता (Creativity), मूल्यांकन (Evaluation) को भी समाहित किया गया है। इसमें निर्धारित मानक वर्तनी का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शृंखला विद्यार्थियों की भाषा में बारीक समझ को विकसित करने में सक्षम है। साथ ही इसमें पाठ नियोजन करते समय विद्यार्थियों की रुचियों, जिज्ञासाओं एवं खोजबीन प्रवृत्ति का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक शृंखला की पाठ्य-सामग्री बच्चों के स्तरानुकूल, सरल, सहज एवं रोचक रूप में प्रस्तुत की गई है।

प्रस्तुत शृंखला में नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा (NCF) 2022 को ध्यान में रखकर सभी मूल्यों को तार्किक रूप से अपनाया गया है। रचनात्मक लेखन के अंतर्गत कविता, कहानी, चित्र-कथा, संवाद, यात्रा-वर्णन एवं पत्र-लेखन आदि को शामिल किया गया है ताकि भाषा प्रयोग पर विद्यार्थियों की पकड़ मजबूत बन सके, साथ ही विद्यार्थी व्याकरण का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर पाएँ।

इस शृंखला में विद्यार्थियों को ऐसा मंच देने का प्रयास किया गया है, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ सोच-समझकर प्रश्नों का उत्तर दे सकें, साथ ही संवाद या चर्चा के द्वारा अपने सहपाठियों का दृष्टिकोण भी समझ पाएँ।

हमें यह विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक शृंखला छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। इस पुस्तक शृंखला को और भी अधिक उपयोगी बनाने के लिए सभी शिक्षार्थी, पाठकगण एवं शिक्षकगण के महत्वपूर्ण सुझाव अपेक्षीय हैं।

—प्रकाशक

# विषय सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
	⊙ बादशाह का तोता (चित्रकथा).....	5
1.	इतना ऊँचे उठो (कविता).....	8
2.	स्वयं का निर्माण (लेख).....	17
3.	वन : हमारी अमूल्य संपदा (निबंध).....	26
4.	उन्नति का मंत्र (कविता).....	36
5.	परिवर्तन (कहानी).....	43
6.	प्रकाश (कहानी).....	50
7.	कान्हा अभ्यारण्य से पत्र (पत्र).....	57
8.	बहुरूपिया (कहानी).....	64
9.	हिरोशिमा की पीड़ा (कविता).....	71
10.	मुंबई : मायानगरी की यात्रा (यात्रा-वृत्तांत).....	78
11.	हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता).....	88
12.	सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र (संवाद).....	94
	* स्वमूल्यांकन पत्र-1.....	101
	* स्वमूल्यांकन पत्र-2.....	103

# बादशाह का तोता (चित्रकथा)

बादशाह अकबर का दरबार लगा था। तभी एक फकीर ने सुंदर तोता बादशाह को भेंट में दिया।



बादशाह की बात सुनकर सेवक बहुत अच्छी तरह तोते की देखभाल करने लगा लेकिन अचानक तोता मर गया।



हाय! अब मैं क्या करूँ? अगर मैं बादशाह को बताऊँगा कि तोता मर गया है तो वे मेरा सिर कटवा देंगे।



सेवक बीरबल के घर उससे मदद माँगने जाता है।

अब आप ही मुझे कोई उपाय बताइए।

तुम चिंता मत करो। बादशाह के पास जाओ, बाकी सब मुझ पर छोड़ दो।



सेवक बादशाह के दरबार में गया और डरते-डरते बोला-

क्या हुआ उसे ?

हुजूर! आपका तोता...

उसी समय वहाँ बीरबल पहुँच जाते हैं, वे कहते हैं-

कुछ विशेष नहीं हुजूर लेकिन वह ...



अकबर परेशान होकर बोले-

बीरबल! हमें तुरंत बताओ। कहीं तोता मर तो नहीं गया?

नहीं, नहीं हुजूर! आपका तोता तो एक महान संन्यासी बन गया है।



अकबर गुस्से में बोले-



बीरबल, तुम साफ़-साफ़ क्यों नहीं कहते कि वह मर गया है।

हुजूर! इस प्रकार आप कह सकते हैं, लेकिन मैं समझता हूँ कि वह प्रार्थना कर रहा है।

अकबर घबराकर बोले-



चलो, हम उसे देखना चाहते हैं।

वहाँ पहुँचकर बीरबल ने तोते का पिंजरा अकबर के सामने रख दिया।



अरे! यह तो मर गया है। यदि तुम हमें पहले ही बता देते तो हम यहाँ आने का कष्ट ही क्यों करते?

हुजूर ! यदि मैं आपको यह ख़बर देता कि तोता मर गया है तो आप उस सेवक का सिर कटवा देते।



तभी बादशाह को ध्यान आया कि उन्होंने तोता देते समय यही बात कही थी। वह बोले -



वाह! बीरबल वाह! तुम वास्तव में बहुत चतुर और बुद्धिमान हो।

**संदेश:** हमें सदैव अपनी बुद्धि का उपयोग करना चाहिए।



# इतना ऊँचे उठो ( कविता )



## अध्ययन से पूर्व (Before Study)

तुम्हें पता है, हमारे देश में अनेक प्रकार की विभिन्नताएँ देखने को मिलती हैं।

हाँ, मुझे मेरी टीचर ने कक्षा में बताया था, कि भारत देश "विभिन्नताओं में एकता" वाला देश है।

मगर "विभिन्नता में एकता" इसका उद्देश्य क्या हो सकता है?

### कविता परिचय (Poem Preview)

प्रत्येक मनुष्य को जाति, धर्म, वर्ग, लिंग इत्यादि के भेदभाव को छोड़कर केवल मानव कल्याण के लिए ही समर्पित रहना चाहिए।

### कठिन शब्द (Difficult Words)

चिंतन

तपता

परिवर्तित

उद्दीप्त

समता

आभास



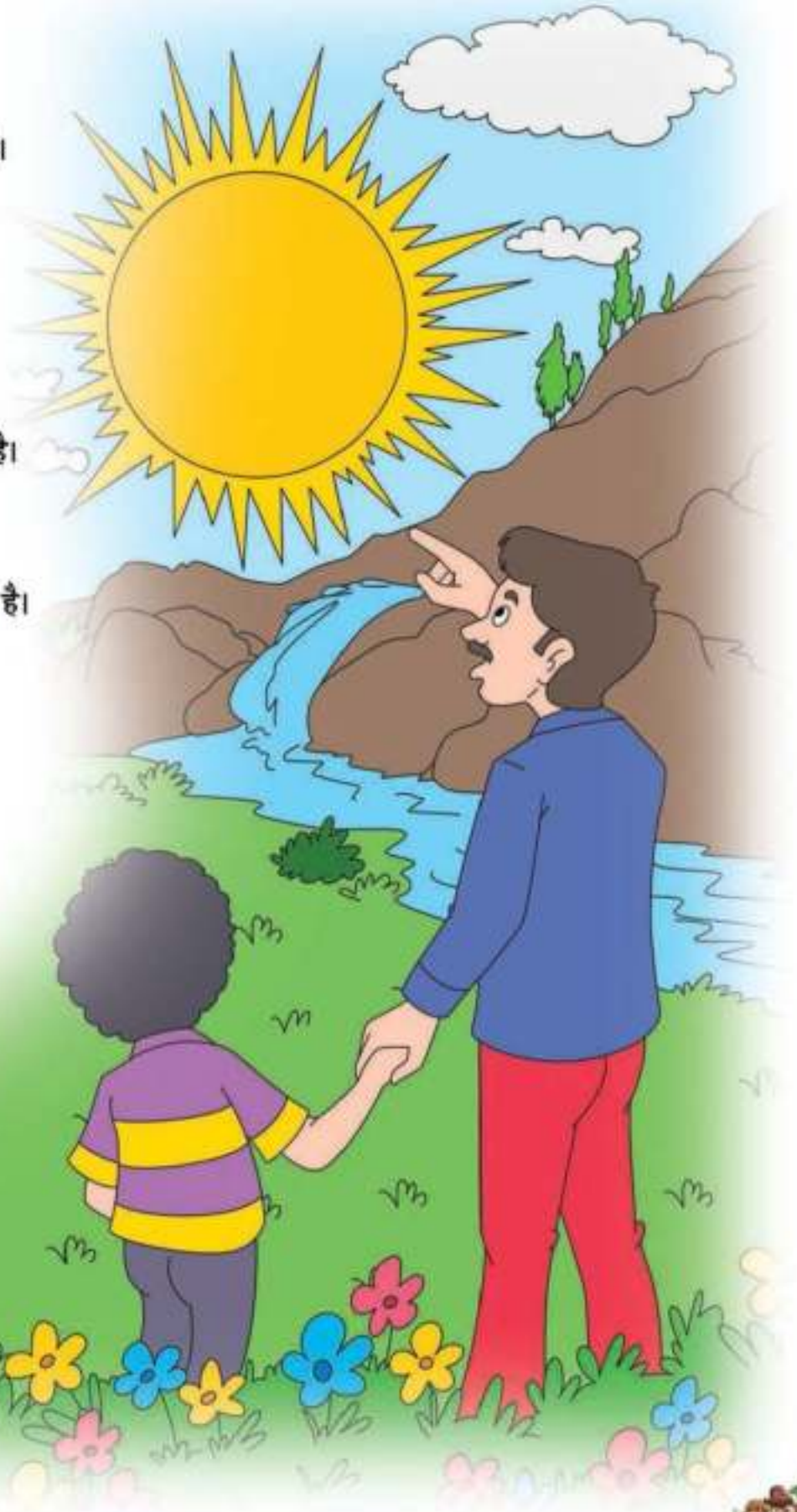


इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है।  
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से  
सिंचित करो धरा समता की भाव-वृष्टि से।

जाति भेद की, धर्म-वेश की  
काले-गोरे रंग **द्वेष** की  
ज्वालाओं से जलते जग में

इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है।  
लो **अतीत** से उतना ही जितना पोषक है  
जीर्ण-शीर्ण का मोह मृत्यु का ही **द्योतक** है।

तोड़ो बंधन, रुके न चिंतन  
गति, जीवन का सत्य चिरंतन  
धारा के **शाश्वत** प्रवाह में



इतने गतिमय बनो कि जितना परिवर्तन है।

चाह रहे हम इस धरती को स्वर्ग बनाना

अगर कहीं हो स्वर्ग, उसे धरती पर लाना।

सूरज, चाँद, चाँदनी, तारे

सब हैं प्रतिपल साथ हमारे

दो कुंभ को रूप सलोना

इतने सुंदर बनो कि जितना आकर्षण है।

—द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी



### कविता का सारांश (Summary of the Poem)

The poem inspires readers to rise to great heights in life, overcoming all challenges and making a positive impact on the world. It emphasizes the importance of hard work, dedication, and the pursuit of excellence. The poem encourages unity and harmony, urging individuals to break down barriers of caste, religion, and social status to achieve collective progress and prosperity.

### शब्दार्थ (Word Meaning)

शाश्वत	= हमेशा रहने वाला (Eternal)
पक्षपात	= भेदभाव (Bias)
कुंभ	= घट या मटका (Pitcher)
अतीत	= बीता हुआ समय (Past)
द्वेष	= शत्रुता की भावना (Hatred)
द्व्योतक	= सूचक (Indicator)



### उच्चारण करें (Pronounce)

प्रतिपल	आकर्षण	चिंतन	गतिमय	प्रवाह
आकर्षण	भाव-दृष्टि			



### शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका पाठ के माध्यम से बच्चों को संकीर्णताओं से ऊपर उठकर सोचने के लिए प्रेरित करें।  
Teachers should encourage collaborative discussions among students through the lesson.





## अभ्यास Exercise



### जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

- (क) हवा के समान गतिमय बनने का क्या अर्थ है?
- (ख) संसार में हम भेद-भाव रहित कैसे रह सकते हैं?
- (ग) प्रतिपल हमारे साथ कौन हैं?
- (घ) प्रस्तुत कविता के रचयिता का क्या नाम है?



### जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

- (क) प्रस्तुत कविता में 'शीतल बहने' का क्या अर्थ है?

.....

- (ख) दुनिया को एक दृष्टि से देखना क्यों आवश्यक है?

.....

- (ग) 'परिवर्तन के समान गतिमय' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

.....

- (घ) 'ऊँचा उठने का तात्पर्य क्या है? कवि ऊँचा उठने की बात क्यों कह रहा है?

.....

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए। (Mark the correct option with a (✓).)

- (क) शीतलता किसके समान होनी चाहिए?

बादल के समान

पानी के समान

मलय पवन के समान

चाँद के समान

- (ख) ..... जीवन का सत्य है।

अपरिवर्तन

परिवर्तन

स्थिरता

विस्थिरता



(ग) धरती को हमें कैसा बनाना है?

ब्रह्म लोक जैसा

मृत्युलोक जैसा

स्वर्ग लोक जैसा

परलोक जैसा

(घ) प्रस्तुत कविता का मूल तत्व क्या है?

मानव कल्याण

स्वयं कल्याण

दूसरों का कल्याण

4. सही मिलान कीजिए। (Match correctly.)

(क) धरा

(i) पवन

(ख) मलय

(ii) बंधन

(ग) तोड़ो

(iii) परिवर्तन

(घ) गतिमय

(iv) समता

5. कविता की पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। (Write the meaning of the lines of the poem.)

(क) सब हैं प्रतिपल साथ हमारे।

.....  
 .....

(ख) लो अतीत से उतना ही जितना पोषक है,

.....  
 .....

(ग) सिंचित करो धरा समता की भाव-वृष्टि से।

.....  
 .....

(घ) इतने गतिमान बनो जितना कि परिवर्तन है।

.....  
 .....

6. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए। (Make sentences with the given words.)

(क) चिंतन -

.....

(ख) प्रतिपल -

.....



- (ग) आकर्षण - .....
- (घ) अतीत - .....
- (ङ) शाश्वत - .....



**जरा सोचिए (Critical Thinking)**

7. आप जाति, धर्म अथवा वर्ण के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म करने के लिए क्या करना चाहेंगे? अपने शब्दों में दस वाक्य लिखकर बताइए।  
(What efforts would you like to make to end discrimination based on caste, religion, or class? Write about it in your own words.)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

8. हमें किन बंधनों को तोड़कर चिंतन करना होगा और क्यों? कक्षा में विचार-विमर्श कर लिखिए।  
(What constraints should we break to reflect, and why? Write down your thoughts after a class discussion.)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....





जरा भाषा पर और कीजिए (Language Skills)

9. दिए गए शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए।  
(Write the given words in their correct form.)

- |                     |                      |
|---------------------|----------------------|
| (क) आकर्षण - .....  | (ख) पद्माह - .....   |
| (ग) जीण - .....     | (घ) मेदभाव - .....   |
| (ङ) वरीष्टी - ..... | (च) जवाला - .....    |
| (छ) सवर्ग - .....   | (ज) परतीपल्ल - ..... |

10. दिए गए वाक्यों में से संधियुक्त शब्दों को छाँटकर रेखांकित कीजिए।  
(Identify and underline the compound words in the given sentences.)

- (क) संविधान में नागरिकों के कर्तव्यों को रेखांकित किया गया है।
- (ख) हमारी परंपरा महिमामयी, उत्तराधिकार विपुल और संस्कार उज्ज्वल हैं।
- (ग) मेरे पिता जी पराधीन भारत के निवासी थे।
- (घ) आईस्टीन की दृष्टि भविष्योन्मुखी थी।

11. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।  
(Write the synonyms of the given words.)

- |                    |       |       |
|--------------------|-------|-------|
| (क) कुंभ - .....   | ..... | ..... |
| (ख) गगन - .....    | ..... | ..... |
| (ग) संसार - .....  | ..... | ..... |
| (घ) दुनिया - ..... | ..... | ..... |



12. दिए गए विलोम शब्दों का सही विकल्प चुनकर उत्तर बताइए।  
(Choose the correct antonym for the given words.)

(क) सत्य	-	<input type="checkbox"/> असत्य	<input type="checkbox"/> झूठ	<input type="checkbox"/> गलत	<input type="checkbox"/> सच
(ख) आकाश	-	<input type="checkbox"/> व्योम	<input type="checkbox"/> पाताल	<input type="checkbox"/> अंबर	<input type="checkbox"/> रसातल
(ग) जय	-	<input type="checkbox"/> जीत	<input type="checkbox"/> पराजय	<input type="checkbox"/> हार	<input type="checkbox"/> सब ठीक है।
(घ) ज्ञान	-	<input type="checkbox"/> विज्ञान	<input type="checkbox"/> अज्ञान	<input type="checkbox"/> संज्ञान	<input type="checkbox"/> अज्ञानी

13. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।  
(Mark the correct option with a (✓).)

(क) जो बहुत कठिनाई से मिलता हो	<input type="checkbox"/> दुर्लभ	<input type="checkbox"/> दुर्जीय	<input type="checkbox"/> दुर्लध्य	<input type="checkbox"/> दुर्दम्य
(ख) परलोक से संबंधित	<input type="checkbox"/> लौकिक	<input type="checkbox"/> पारलौकिक	<input type="checkbox"/> इहलौकिक	<input type="checkbox"/> आध्यात्मिक

14. दिए गए श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।  
(Write the meanings and make sentences with the given homophones.)

(क) हार	-	.....
हार	-	.....
(ख) मेघ	-	.....
मेघ	-	.....
(ग) वारिश	-	.....
बारिश	-	.....

15. दिए गए कारक-चिह्न लगाकर वाक्य पूरा कीजिए।  
(Complete the sentences using the appropriate case markers.)

	को	से	पर
(क)	हमें धरती	.....	भेदभाव रहित बनना चाहिए।
(ख)	दूसरों	.....	सदा ऊँचा उठाने का प्रयास करना चाहिए।
(ग)	हमें भव-दृष्टि	.....	संचित करना चाहिए।
(घ)	धरा	.....	परिवर्तन अटल है।
(ङ)	राग द्वेष	.....	रहित जीवन जीना चाहिए।



**जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)**

**16. आप जीवन में ऊँचा उठने के लिए क्या करना चाहेंगे? कक्षा में पक्ष-विपक्ष आधारित संवाद कीजिए।**

**(What would you like to do to rise in life? Engage in a debate in class with pros and cons.)**

आप - .....

अन्य - .....

आप - .....

अन्य - .....

आप - .....

अन्य - .....

आप - .....

अन्य - .....

**17. प्रस्तुत कविता में आए शब्द- दुनिया, धर्म, समता, परिवर्तन, स्वर्ग, सूरज, हमारे, सुंदर, जीवन इत्यादि से स्वयं रचित कविता बनाइए।**

**(Create a poem using the words from the given poem: world, religion, equality, change, heaven, sun, our, beautiful, life, etc.)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....







# स्वयं का निर्माण (लेख)



## अध्ययन से पूर्व (Before Study)

हमें जीवन में किस चीज को अपनाना चाहिए?

किस चीज को छोड़कर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए?



मेरे प्यारे बच्चो! हमें, अवगुणों को छोड़ना चाहिए और सद्गुणों को अपनाना चाहिए।

### लेख परिचय (Article Preview)

हमें सदैव अवगुणों को त्यागने और सद्गुणों को अपनाने की चेष्टा करते रहना चाहिए।

### कठिन शब्द (Difficult Words)

सामाजिक

व्यायाम

उत्कृष्टता

तात्त्विक

अनुकरण

भ्रामक



यूनान के प्रख्यात दार्शनिक अरस्तू ने कहा था कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति से ही समाज और समाज से ही व्यक्ति का निर्माण होता है। यदि व्यक्ति अपना सुधार करे तो समाज अपने आप सुधर जाएगा। व्यक्ति किस तरह स्वयं का निर्माण कर सकता है, सुधार कर सकता है, इस पाठ को पढ़कर जानते हैं।

आज व्यक्ति की नहीं बल्कि समाज के पुनर्निर्माण की चर्चा है। क्या व्यक्ति का पुनर्निर्माण एकदम उपेक्षा की चीज है? यह सत्य है कि व्यक्ति समाज की उपज है और यदि सारा समाज लूला-लँगड़ा रहे, तो एक व्यक्ति भी सीधा नहीं खड़ा हो सकता, किंतु फिर समाज भी तो व्यक्तियों का ही समूह है।

यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने सुधार की ओर ध्यान दे तो पूरे समाज का निर्माण कितना आसान हो जाए!

बौद्ध धर्म में सम्यक् व्यायाम के चार अंग कहे गए हैं—

- ★ इस बात की सावधानी रखना कि अपने में कोई अवगुण न आ जाए।
- ★ इस बात का प्रयत्न करना कि अपने अवगुण दूर हो जाएँ।
- ★ इस बात का ध्यान रखना कि अपने में सदगुण चले आएँ।
- ★ इस बात का प्रयास करना कि अपने सदगुण चले न जाएँ।

बाग में यदि अच्छे फल-फूल न लगवाए जाएँ और ज़मीन को यों ही बेकार पड़ी रहने दिया जाए तो उसमें बेकार के झाड़-झंखाड़ उग ही आएँगे।

यदि अवगुणों को दूर करने और सदगुणों को लाने का उपाय निरंतर नहीं किया जाएगा, तो अवगुण बने ही रहेंगे और सदगुण नहीं आएँगे। इसलिए यदि इस चतुर्मुखी कार्यक्रम को घटाकर इसके केवल दो अंगों (अवगुणों को दूर करना और सदगुणों को अपनाना) को स्वीकार कर लिया जाए तो भी मैं समझता हूँ कि भगवान बुद्ध का उद्देश्य पूरा हो सकता है।



अवगुणों को दूर करना और सदगुणों को अपनाना ये दोनों भी क्या अर्थ की दृष्टि से एक नहीं हैं? इसका उत्तर हाँ और नहीं दोनों देना होगा।

एक आदमी को व्यर्थ बक-बक करने की आदत है। यदि वह अपनी आदत को छोड़ता है, तो वह अपने व्यर्थ बोलने के अवगुण को छोड़ता है, किंतु साथ ही और अनायास ही वह मितभाषी होने के सदगुण को अपनाता चला जाता है। यह तो हुआ 'हाँ' पक्ष का उत्तर; किंतु एक दूसरे आदमी को सिगरेट पीने का अभ्यास है। वह सिगरेट पीना छोड़ता है और उसकी बजाय दूध से प्रेम करना सीखता है, तो सिगरेट पीना छोड़ना एक अवगुण को छोड़ना है और दूध से प्रेम जोड़ना एक सदगुण को अपनाना है। यह हुआ 'ना' पक्ष का उत्तर। अवगुण को दूर करने और सदगुण को अपनाने के प्रयत्न में, मैं समझता हूँ कि अवगुणों को दूर करने के प्रयत्नों की अपेक्षा सदगुणों को अपनाने का ही महत्व अधिक है। किसी कमरे में गंदी हवा और स्वच्छ वायु एक साथ रह ही नहीं सकती। कमरे में हवा रहे ही नहीं, यह तो हो ही नहीं सकता।

गंदी हवा को निकालने का सबसे अच्छा उपाय एक ही है। सभी दरवाज़े और खिड़कियाँ खोलकर स्वच्छ वायु को अंदर आने देना।



ऐसी बातें पढ़-सुनकर हर आदमी वह बात कहता सुनाई देता है जो किसी समय बेचारे दुर्योधन के मुँह से निकली थीं—

“धर्म जानता हूँ, उसमें प्रवृत्ति नहीं। अधर्म जानता हूँ, उसमें निवृत्ति नहीं” एक आदमी को कोई कुलत पढ़ गई— सिगरेट पीने की ही सही या फिर अत्यधिक सिनेमा देखने की ही सही। बेचारा बहुत संकल्प करता है, बहुत कसमें खाता है कि अब सिगरेट न पीऊँगा, अब सिनेमा देखने न जाऊँगा, किंतु समय आने पर जैसे आप ही आप उसके हाथ सिगरेट तक पहुँच जाते हैं और सिगरेट उसके मुँह तक। बेचारे के पाँव सिनेमा की ओर जैसे आप ही आप बढ़े चले जाते हैं।

क्या सिगरेट न पीने का और सिनेमा न देखने का उसका संकल्प सच्चा नहीं है? क्या उसने झूठी कसम खाई है? क्या उसके संकल्प की दृढ़ता में कमी है? नहीं, उसका संकल्प तो उतना ही दृढ़ है जितना किसी का हो सकता है। तब उसे बार-बार असफलता क्यों मिलती है?

इस असफलता का कारण और सफलता का रहस्य कदाचित् इस एक ही उदाहरण से समझ सकते हैं— ज़मीन पर एक छह इंच चौड़ा, और एक फुट लंबा लकड़ी का तख़्ता रखा है। यदि आपसे उस पर चलने के लिए कहा जाए तो आप चल सकेंगे? क्यों नहीं? बड़ी आसानी से। अब इसी तख़्ते के एक सिरे को किसी मकान की छत पर रख दिया जाए और शेष तख़्ते को यों ही आकाश में आगे बढ़ा दिया जाए और तब आपसे इसी तख़्ते पर चलने के लिए कहा जाए तो क्या आप तब भी उस पर चल सकेंगे? नहीं।

कोई पूछे क्यों। आप इसके अनेक कारण बताएँगे। सच्चा कारण एक ही है। आप नहीं चल सकते, क्योंकि आप समझते हैं, आप नहीं चल सकते। यदि आप विश्वास कर लें कि आप चल सकते हैं और उसी लकड़ी के तख़्ते को थोड़ा-थोड़ा ज़मीन से ऊपर उठाते हुए उसी पर चलने का अभ्यास करें तो आप उस पर बढ़े आराम से चल सकेंगे। सरकस वाले पतले-पतले तारों पर कैसे चल लेते हैं? वे विश्वास करते हैं कि वे चल सकते हैं, तदनुसार अभ्यास करते हैं और वे चल ही लेते हैं।

यदि आप किसी अवगुण को दूर करना चाहते हैं तो उससे दूर रहने के दृढ़ संकल्प करना छोड़िए, क्योंकि जब आप उससे दूर-दूर रहने की कसमें खाते हैं तब भी आप उसी का चिंतन करते हैं। चोरी न करने का संकल्प भी चोरी का ही संकल्प है। पक्ष में न सही, विपक्ष में सही, है तो चोरी के ही बारे में। चोरी न करने की इच्छा रखने वाले को चोरी के संबंध में कोई संकल्प-विकल्प नहीं करना चाहिए।

हम यदि अपने संकल्प-विकल्पों द्वारा अपने अवगुणों को बलवान न बनाएँ तो हमारे अवगुण अपनी मौत आप मर जाएँगे।

आपकी प्रवृत्ति चंचल है। आप अपने ‘गंभीर स्वभाव’ की भावना करें। यथावकाश अपने मन में ‘गंभीर-स्वरूप’ का चित्र देखें। अचिरकाल में ही आपकी प्रवृत्ति बदल जाएगी।

यदि आपकी प्रवृत्ति अस्वस्थ है, तो आप अपने ही ‘स्वस्थ स्वरूप’ की भावना करें और यथावकाश अपने मन में अपने ‘स्वस्थ स्वरूप’ का चित्र देखें। अचिरकाल में ही प्रवृत्ति में परिवर्तन हो जाएगा।

शायद आपको गंभीरता, अस्वस्थ, शांति की उतनी आवश्यकता ही नहीं जितनी दूसरी लौकिक चीजों की है। उन चीजों की प्राप्ति में यह नियम निश्चयात्मक रूप से सहायक होगा, किंतु निर्णायक नहीं।

संसार में प्रत्येक कार्य अनेक कारणों से होता है। यदि दूसरे कारण एकदम प्रतिकूल हों तो अकेली भावना क्या करेगी? कोई तरुण अपने शरीर को बलवान बनाना चाहता है। खाने-पीने के साधारण नियमों का ख़याल

नहीं करता, स्वच्छ वायु में नहीं सोता, व्यायाम नहीं करता, केवल भावना के ही बल पर बलवान होना चाहता है, यह असंभव है। भावना अपना काम करती है, किंतु अकेली भावना खाने-पीने, स्वच्छ वायु और व्यायाम सभी की जगह नहीं ले सकती।

जो बलवान बनने की सच्ची भावना करेगा वह अपने खाने-पीने, स्वच्छ वायु और व्यायाम की चिंता भी करेगा। इन अर्थों में भावना को स्वार्थ और साधिकार कहा जा सकता है।

सभी भावनाओं में श्रेष्ठ भावना एक ही है, जिसे जैन, बौद्ध, हिंदू सभी ने अपने-अपने धर्म-ग्रंथों में स्थान दिया है—

सभी के प्रति मैत्री, गुणियों के प्रति श्रद्धा, दुःखियों के प्रति दया, दुष्टों के प्रति उपेक्षा। सचमुच इससे बढ़कर ब्रह्म-विचार की कल्पना नहीं की जा सकती।

— भदंत आनंद कौशल्यायन

### लेख का सारांश (Summary of the Article)

This chapter highlights self-improvement and moral values, showing how adopting virtues and discarding vices can enhance both individuals and society. Through Buddha's teachings, it emphasizes determination, practice, and right thinking for a balanced life.

### शब्दार्थ (Word Meaning)

उपेक्षा	= तिरस्कार, अपमान (Neglect, Disregard)
प्रतिकूल	= विपरीत (Unfavorable, Adverse)
चतुर्मुखी	= चारों ओर का (Four-sided)
संकल्प	= निश्चय, प्रण (Determination, Resolution)
अचिरकाल	= शीघ्र, तुरंत (Immediately)
सम्यक्	= उपयुक्त, ठीक (Appropriate, Correct)



### उच्चारण करें (Pronounce)

लौकिक                      प्रवृत्ति                      अनायास                      निवृत्ति                      विकल्प  
निर्णायक



### शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को लेख के माध्यम से सदाचार व संयमित जीवन जीने के बारे में बताएँ।  
The teacher will explain to the children about good conduct and living a disciplined life through the article.





## अभ्यास Exercise



### जरा बोलिए (Speaking Skills)

#### 1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

- (क) गंदी हवा को निकालने का सबसे अच्छा उपाय क्या है?
- (ख) शरीर को मजबूत बनाने के लिए हमें क्या सावधानी रखनी चाहिए?
- (ग) अवगुणों को दूर करने के लिए हमें कैसा बनना चाहिए?
- (घ) बौद्ध धर्म में व्यायाम के कितने अंग बताए गए हैं?



### जरा लिखिए (Writing Skills)

#### 2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

- (क) स्वस्थ स्वरूप के लिए हमें किस-किस चीज की आवश्यकता है?

.....

- (ख) हमें अपने अवगुणों को दूर करने के लिए क्या करना होगा?

.....

- (ग) हमारे अवगुण अपनी मौत कैसे मर जाएँगे?

.....

- (घ) समाज का निर्माण किस प्रकार होता है?

.....

#### 3. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए। (Make sentences with the given words.)

- (क) प्रवृत्ति - .....
- (ख) अवगुण - .....
- (ग) धर्म - .....
- (घ) भावना - .....



4. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।  
(Fill in the blanks in the given sentences.)

व्यक्तियों सामाजिक समाज दार्शनिक

- (क) समाज ..... का समूह है।  
 (ख) व्यक्ति से ..... और समाज से ..... का निर्माण होता है।  
 (ग) मनुष्य एक ..... प्राणी है।  
 (घ) अरस्तू यूनान के प्रख्यात ..... थे।

5. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।  
(Mark the correct option with a (✓).)

- (क) गौतम बुद्ध अनुयायी थे।  
 जैन धर्म के  बौद्ध धर्म के  हिंदू धर्म के  पारसी धर्म के
- (ख) अरस्तू दार्शनिक थे।  
 इटली के  पोलैंड के  यूनान के  भारत के
- (ग) सरकस वाले पतले-पतले तारों पर कैसे चल लेते हैं?  
 अभ्यास द्वारा  विश्वास द्वारा  स्वयं द्वारा  सबके द्वारा
- (घ) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। यह कथन है-  
 थार्नडाइक का  अरस्तू का  प्लूटो का  जॉन डीवी का

6. सही मिलान कीजिए। (Match correctly.)

- |              |             |
|--------------|-------------|
| (क) प्रतिकूल | (i) अवगुण   |
| (ख) सद्गुण   | (ii) विशेष  |
| (ग) साधारण   | (iii) तुच्छ |
| (घ) श्रेष्ठ  | (iv) अनुकूल |

7. दिए गए वाक्यों को पढ़कर (✓) या (✗) का चिह्न लगाइए।  
(Read the given sentences and mark (✓) or (✗).)

- (क) अरस्तू यूनान के लेखक थे।
- (ख) समाज व्यक्ति और चीजों से बनता है।
- (ग) समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने में सुधार कर समाज सुधार सकता है।
- (घ) प्रस्तुत लेख का शीर्षक स्वयं का निर्माण है।



8. बौद्ध धरु के चार व्यायाम लिखिए। (Write the four exercises of Buddhism.)

- (क) .....
- (ख) .....
- (ग) .....
- (घ) .....



जरर सोचिए (Critical Thinking)

9. अवगुणों को छोड़ने के लिए दृढ़ संकल्प किस प्रकार सहायक है? कक्षा में चर्चा कर लिखिए। (How is firm determination helpful in giving up vices? Discuss in class and write.)

.....

.....

.....

.....

10. सभी के प्रति मैत्री, गुणियों के प्रति श्रद्धा व दुखियों के प्रति दया न होने से क्या ब्रह्म विचार की कल्याण संभव है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (Is it possible to imagine bad thoughts without friendliness towards all, reverence for virtues, and compassion for the distressed? Explain in your own words.)

.....

.....

.....

.....



जरर भाषा पर और कीजिए (Language Skills)

11. दिए गए शब्दों का वाक्य-प्रयोग कीजिए। (Use the given words in sentences.)

- (क) व्यायाम - ..... (ख) संकल्प - .....
- (ग) प्रवृत्ति - ..... (घ) प्राणी - .....



12. दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए।  
(Form abstract nouns from the given words.)

- (क) अच्छा - ..... (ख) स्वच्छ - .....  
(ग) असफल - ..... (घ) गंभीर - .....

13. संधि-विच्छेद कीजिए। (Perform the sandhi-vichhed (sandhi separation).)

- (क) सद्गुण - ..... (ख) प्रतिकूल - .....  
(ग) प्रवृत्ति - ..... (घ) प्रत्येक - .....

14. दिए गए मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए। (Use the given idioms in sentences.)

- (क) गंगा नहाना - .....  
(ख) आँसू पोंछना - .....  
(ग) उल्टी गंगा बहाना - .....  
(घ) कसौटी पर कसना - .....

15. दिए गए शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए। (Correct the spelling of the given words.)

- (क) व्यायम - ..... (ख) असभंव - .....  
(ग) व्यक्ति - ..... (घ) वर्थ - .....

16. दिए गए समस्त पद का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।  
(Write the compound words by combining the given parts and name the compounds.)

समस्त पद	विग्रह	समास का नाम
(क) महावीर - .....	.....	.....
(ख) चतुर्भुज - .....	.....	.....
(ग) आजीवन - .....	.....	.....
(घ) महात्मा - .....	.....	.....

17. दिए गए श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।  
(Write the meanings of the given homophones and make sentences.)

- (क) अरि - .....  
अरी - .....  
(ख) शांत - .....  
सांत - .....





- (ग) अपेक्षा - .....  
 उपेक्षा - .....
- (घ) आदि - .....  
 आदी - .....
- (ङ) प्रकृति - .....  
 प्राकृत - .....

18. दी गई लोकोक्तियों का वाक्य प्रयोग कीजिए। (Use the given proverbs in sentences.)

- (क) अधजल गगरी छलकत जाय।  
 .....
- (ख) इस हाथ दे, उस हाथ ले।  
 .....
- (ग) जैसी करनी, वैसी भरनी।  
 .....
- (घ) एक कहो, न दस सुनो।  
 .....



जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

19. 'विचारों का जीवन से संबंध' पर अनुच्छेद-लेखन कीजिए।  
 (Write a paragraph on 'The Relationship of Thoughts with Life'.)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

20. 'गौतम बुद्ध' के विषय पर जानकारी एकत्रित कर अपनी कक्षा में चर्चा करें।  
 (Collect information on the topic 'Gita's Ideal' and discuss it in your class.)





# वन : हमारी अमूल्य संपदा (निबंध)



## अध्ययन से पूर्व (Before Study)

ये आप क्या कर रहे हैं दादा जी?

बेटा! तुम्हारे और तुम्हारी आने वाली पीढ़ियों के लिए मीठे फलों का इंतजाम कर रहा हूँ।



### निबंध परिचय (Eassy Preview)

बच्चों को वन संरक्षण का महत्व समझाना।

### कठिन शब्द (Difficult Words)

संपदा      अथर्ववेद      अग्निपुराण      मत्स्यपुराण      विशेषण      सामाजिक वानिकी



मानव जीवन के लिए वनों का बहुत महत्व है। जीवन की शुरुआत से लेकर अंत तक मानव जीवन पर्यावरण पर ही निर्भर रहता है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पर्यावरण के विभिन्न अंग जैसे- वायु, जल, मिट्टी, पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए अति आवश्यक हैं। पर्यावरण के विभिन्न घटकों में वनों का अत्यधिक महत्व है। यदि पर्यावरण का संरक्षण न हुआ तो स्वस्थ जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकेगी। इसका प्रमाण हमें हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों के आश्रमों में देखने को मिलता था, जो वनों में आश्रम बनाकर न सिर्फ तपस्या करते थे अपितु गुरुकुल द्वारा शिष्यों को भी प्रकृति से जोड़ते हुए मनुष्य का प्रकृति से संबंध स्थापित करते थे।

प्रकृति ने धरती को वृक्ष तथा वनस्पतियों के रूप में अनेक अमूल्य संपदा प्रदान की है जिन्हें वन संपदा कहा जाता है। वृक्ष मानव जीवन के लिए सबसे उपयोगी तत्व माने जाते हैं। क्योंकि पृथ्वी पर सजीवों को जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ती है और ऑक्सीजन का एकमात्र स्रोत वृक्षों को ही माना जाता है।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वनों की महिमा के अनेक उल्लेख उपलब्ध हैं। अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है। गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्ष को ईश्वर की विभूति कहकर उसका महत्व स्पष्ट किया है। अग्निपुराण में वृक्षों को काटने का निषेध किया गया है, क्योंकि वे परिवार की सुख-समृद्धि के आधार हैं। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर बताया गया है। अतएव वृक्षों की रक्षा और उनका संवर्धन मानव जीवन की सुख-सुविधाओं के लिए परमावश्यक है। वृक्षों को अनावश्यक रूप से काटना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना है।

वृक्षों के महत्व के संबंध में एक वृद्ध किसान तथा राजा के बीच वार्तालाप का प्रसंग बहुत ही अर्थपूर्ण है। वृद्ध किसान सड़क के किनारे आम का एक पौधा लगा रहा था। वह इतना बूढ़ा और क्षीणकाय था कि उसके हाथ-पैर काँप रहे थे। संयोगवश मार्ग से राजा का रथ निकला। उसने वृद्ध को पौधा लगाते देखा तो उसके पास पहुँचकर पूछा- “बाबा जी! आप बहुत वृद्ध हो चुके हैं। क्या आप इस वृक्ष के फल खा सकेंगे जो इतनी तन्मयता से यह पौधा लगा रहे हैं?”



वृद्ध ने मुस्कराते हुए उत्तर दिया- “महाराज, जिस पौधे को मेरे बाप-दादा ने लगाया था, उसके फल मैं खाता रहा हूँ। इसी प्रकार जो पौधे मैं लगा रहा हूँ, उनके फल मेरे बेटे-बेटियाँ और पोते-पोतियाँ खाएँगे। पेड़-पौधे तो समाज की धरोहर हैं, ये हमारी अमूल्य संपदा हैं।” राजा ने प्रसन्न होकर वृद्ध को पुरस्कार दिया और सम्मानित किया।

वृद्ध किसान का कथन पूर्णतः सत्य था। वन तथा पेड़-पौधे संपूर्ण मानव जाति के लिए धरोहर हैं। हजारों वर्षों से मनुष्यों की एक पीढ़ी इन्हें अगली पीढ़ी को सौंपती आई है। अतः वर्तमान पीढ़ी का यह कर्तव्य है कि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिकाधिक संख्या में वृक्षारोपण करे।

आधुनिक काल में पेड़-पौधों को नए संदर्भ में समझने का दृष्टिकोण विकसित हुआ है। अब पेड़-पौधों को 'हरा सोना' कहा जाता है। दोनों में यही अंतर है कि सोना (धातु) खान के भीतर मिलता है, जबकि हरा सोना (वृक्ष) खुली भूमि पर सुलभ है। धरती पर इनसानों के अतिरिक्त अन्य सजीव प्रजातियाँ भी मौजूद हैं और हर किसी को जीने के लिए किसी-न-किसी माध्यम की आवश्यकता पड़ती ही है। ऐसे में वन मुख्य भूमिका निभाते हैं।

वृक्षों के लाभ भी अनेक हैं। ये वर्षा में सहायक हैं। वृक्षों की घूमती हुई शाखाएँ श्याम मेघमालाओं को जलवृष्टि का निमंत्रण देती हैं। वृक्षों की जड़ें पानी के तेज बहाव को रोकती हैं, जिससे भूमि संरक्षण में सहायता मिलती है। तेज बहाव रुकने से भूमि की उर्वरा शक्ति सुरक्षित रहती है। वृक्षों से ही हमें ऑक्सीजन मिलती है और हमारे द्वारा छोड़ी गई कार्बनडाइऑक्साइड को वे अवशोषित कर लेते हैं।

वृक्ष कई प्रकार से हमारे काम आते हैं। जड़ से लेकर तना, शाखाएँ, औषधियाँ, लकड़ी, छाल, फल, फूल, बीज आदि सभी हमारे जीवन के लिए उपयोगी हैं। उनकी लकड़ी घरेलू उपयोग के सामान बनाने और ईंधन के काम आती है। वनों से ही पशु-पक्षियों को आश्रय तथा भोजन प्राप्त होता है।

वनों से और भी कई लाभ हैं। पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचाकर हमें

शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। ये भूमि को अधिक तप्त होने से रोकते हैं। वनों की अधिकता के कारण ही प्राकृतिक आपदाओं में कमी आती है, क्योंकि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि भू-तल पर वृक्ष न होते तो पृथ्वी का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि ध्रुवीय प्रदेशों पर जमी बर्फ पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर जल की मात्रा इतनी अधिक हो जाती कि पृथ्वी उसमें समा जाती। तब न पृथ्वी पर मानव रह पाता, न पशु-पक्षी और न वनस्पति-जगत ही।



वन उपज का उपयोग गृह-निर्माण, मेज-कुर्सी, दरवाजे, खिड़कियाँ, बैलगाड़ी, कृषि-उपकरण, खिलौने, खेल की सामग्री, वाद्य-यंत्र, नौकाएँ, खंभे, पुल, कागज, माचिस आदि बनाने में किया जाता है।

आज शहरीकरण और विकास के नाम पर वनों को काट लकड़ियों की कालाबाजारी बेझिझक हो रही है। जनसंख्या विस्फोट के फलस्वरूप अधिक खेती के लिए वनों की कटाई, नदी घाटी परियोजनाओं को पूरा करने तथा रेलमार्गों एवं सड़कों का विस्तार करने के लिए भी वनों का सफाया किया जा रहा है।

अपनी वर्तमान परिस्थितियों में ही वनों के क्षेत्र को बढ़ाने तथा **हरीतिमा** संवर्धन के लिए हमें प्रयास करने होंगे। जहाँ नहरों और सड़कों का



निर्माण किया गया, उनके किनारे वृक्ष लगाए जा सकते हैं। सड़कों के किनारे वृक्ष होने से जहाँ वायुमंडल का संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलेगी, वहीं यात्रियों को शीतल छाया भी सुलभ होगी। आम के आम गुठलियों के दाम।

भारत सरकार द्वारा अपनाई गई नीति के अनुसार देश के 33% भू-भाग पर वन होने आवश्यक हैं। विगत दशकों में वनों की अँधाधुंध कटाई होने से वनों का क्षेत्र घटकर 20% से भी कम रह गया है। वनों की इस कमी की पूर्ति हेतु 'सामाजिक वृक्षारोपण' कार्यक्रम व्यापक स्तर पर चलाने की आवश्यकता है। जिसके अंतर्गत सार्वजनिक भूमि पर विविध प्रकार के वृक्ष लगाकर वृक्षों को संरक्षित करने के नए-नए तरीकों को ईजाद किया जा सकता है। जिन क्षेत्रों में वनों का विशेष रूप से अभाव हो गया हो, वहाँ पुनः नए सिरे से वृक्षारोपण किया जाए।

देश में वन-क्षेत्र के विस्तार को दृष्टि में रखते हुए विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में वन-विस्तार को स्थान दिया जाता है। 'सामाजिक वानिकी' संपूर्ण देश में वृक्षारोपण का व्यापक कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत कृषकों के खेतों की मेड़ों तथा निकट की खाली भूमि में वृक्ष लगाने के लिए सरकार द्वारा पौधे उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके अतिरिक्त 'एक बच्चा-एक पेड़' कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को फलदार वृक्ष लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसा इसलिए भी माना जाता है क्योंकि सनातन संस्कृति में वृक्षों को देवता माना गया है तथा वृक्षों को काटना एक अपराध। अतः इस अपराध को रोकने की भावना को जन समूह में रोपित करना जरूरी है।

सामाजिक वानिकी कार्यक्रम की सफलता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक विकास खंड में प्रायः दो हेक्टेयर भूमि में पौधशाला की व्यवस्था की गई है। इन पौधशालाओं के लिए वन विभाग द्वारा विविध

प्रकार की पौध तैयार की जाती हैं। इस कार्यक्रम से अधिकाधिक क्षेत्रों को लाभान्वित करने के लिए गाँवों और नगरों के निवासियों के परामर्श से पौधों के रोपण, क्षेत्रों का चयन एवं निर्धारण किया जाता है। इन रोपण क्षेत्रों में खेतों की मेड़ों की भूमि को भी सम्मिलित किया गया है।

वृक्ष हमारे जीवन को सुखी और सुविधापूर्ण बनाने में अत्यधिक सहायक हैं। ये आँधी-तूफ़ान की तेज़ गति को नियंत्रित करते हैं, भूमि में आर्द्रता बनाए रखते हैं तथा भूमि को अपनी जड़ों से जकड़कर चट्टानों और मिट्टी को खिसकने से रोकते हैं। इनकी कमी होने पर वर्षा कहीं अधिक और कहीं कम होने लगी है और वर्तमान समय में भू-स्खलन, भूकंप, सूखा आदि आपदाएँ हमारे जीवन को न सिर्फ़ प्रभावित कर रही हैं, बल्कि मानव जाति के विनाश का कारण भी बनती जा रही हैं।

### निबंध का सारांश (Summary of the Essay)

Forests are vital for human survival and environmental balance. They provide oxygen, prevent soil erosion, and mitigate natural disasters. Historical texts and modern perspectives highlight their importance. The chapter emphasizes the need for forest conservation and afforestation to sustain life for future generations.

### शब्दार्थ (Word Meaning)

घटक	= तत्व (Element)
धरोहर	= अमानत (Heritage)
आर्द्रता	= नमी (Humidity)
हरीतिमा	= हरियाली (Greenery)
संपदा	= संपत्ति (Wealth)
निषेध	= मनाही (Prohibition)
संवर्धन	= बढ़ावा (Enhancement)
क्षीणकाय	= अत्यंत दुर्बल (Extremely weak)



### उच्चारण करें (Pronounce)

दृष्टिकोण	जलवृष्टि	स्रोत	विभूति	धुवीय
नियंत्रित	अंधाधुंध	सामाजिक	कार्यक्रम	सुनिश्चित



### शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ के माध्यम से वन एवं पर्यावरण का महत्व समझाते हुए वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करें।

Teachers should explain the importance of forests and the environment through the lesson and encourage tree planting among children.





## अभ्यास Exercise



### जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

- (क) वन संपदा किसे कहते हैं?
- (ख) भूमि की उर्वरा शक्ति किसके द्वारा बढ़ती है?
- (ग) पर्यावरण का आधार किसे माना गया है?
- (घ) वन हमारे किस-किस काम आते हैं?



### जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

- (क) वन पर्यावरण को किस प्रकार संतुलित रखते हैं?

.....

- (ख) वृक्षों का संरक्षण और उनका संवर्धन किस कार्य हेतु आवश्यक है?

.....

- (ग) वन संपदा के क्या लाभ हैं?

.....

- (घ) वनों से अधिकतम लाभ कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

.....

3. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (Fill in the blanks in the given sentences.)

अमूल्य    हरा सोना    पानी    कार्बनडाइऑक्साइड    ऑक्सीजन

- (क) वृक्षों को ..... कहा गया है।
- (ख) वृक्ष मिट्टी का कटाव और ..... के तेज बहाव को रोकने में सहायक हैं।
- (ग) वृक्ष हमसे ..... लेकर ..... प्रदान करते हैं।
- (घ) वन प्रकृति की ..... संपदा हैं।



4. सही मिलान कीजिए। (Match the following.)

- |                  |            |
|------------------|------------|
| (क) उर्वरा शक्ति | (i) ईंधन   |
| (ख) हरा सोना     | (ii) गैस   |
| (ग) ऑक्सीजन      | (iii) भूमि |
| (घ) लकड़ी        | (iv) वृक्ष |

5. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए। (Mark the correct option with (✓).)

(क) पर्यावरण का संतुलन घटक है।

 जल

 वृक्ष

 धरा

 वायु

(ख) वृक्ष सहायक हैं—

 भूमि की पकड़ बनाए रखने में

 उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में

 आपदाओं को रोकने में

 ये सभी

(ग) ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ पिघल रही है—

 पर्यावरण का तापमान बिगड़ने से

 सूरज की किरणों के कारण

 गर्म क्षेत्र होने के कारण

 पेड़ लगाने के कारण

6. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए। (Make sentences using the given words.)

(क) संरक्षण - .....

(ख) पर्यावरण - .....

(ग) सुरक्षित - .....

(घ) सहायक - .....

 **जरा सोचिए (Critical Thinking)**

7. 'वृक्ष पर्यावरण का आधार हैं।' कैसे? कक्षा में चर्चा करते हुए लिखिए।

("Forests are the foundation of the environment." How? Write while discussing in class.)

.....

.....

.....

.....

.....









जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

11. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। (Write the antonyms of the given words.)

- (क) स्वस्थ - ..... (ख) शुद्ध - .....  
 (ग) सुरक्षित - ..... (घ) मूल्य - .....

12. दिए गए शब्दों के वचन बदलकर लिखिए। (Write the plural forms of the given words.)

- (क) शाखा - ..... (ख) पौधा - .....  
 (ग) वृक्ष - ..... (घ) क्षेत्र - .....

13. दिए गए शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए।

(Perform sandhi-vichched (compound word splitting) of the given words.)

- (क) सर्वाधिक - ..... (ख) अधिकतम - .....  
 (ग) प्रदूषण - ..... (घ) पर्यावरण - .....

14. दिए गए मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए। (Use the given idioms in sentences.)

(क) अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना -  
 .....

(ख) जिस डाल पर बैठना उसी को काटना -  
 .....

(ग) टस से मस न होना -  
 .....

(घ) आम के आम गुठलियों के दाम -  
 .....

15. दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

(Write the given sentences after correcting them.)

- (क) कौन आई है? देखो। - .....  
 (ख) जो करेगा वह भरेगा। - .....  
 (ग) कृपया करके तुम भी काम कर लो। - .....  
 (घ) मैं संकल्प लेता हूँ कि वनों की रक्षा करूँगा। - .....

16. दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए।

(Place appropriate punctuation marks in the given sentences.)

- (क) उन्होंने रोक कर पूछा पेड़ है कहाँ  
 (ख) मेरे मन निराश होने की जरूरत नहीं है



- (ग) सब जीव जंतु भाग कर इधर-उधर छिप गए  
(घ) प्रकृति की रक्षा कौन करेगा

17. गलत कारक पहचानते हुए सही कारक लगाकर पुनः वाक्य प्रयोग कीजिए।  
(Identify the incorrect case in the sentences and correct it by replacing with the proper case.)

- (क) हम ऑक्सीजन वृक्षों के लिए लेते हैं। .....  
(ख) यात्री पेड़ से छाया को बैठे है। .....  
(ग) पक्षी अपना घर वृक्षों के लिए बनाते हैं। .....  
(घ) वन के जीवन सुरक्षित है। .....



जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

18. 'वृक्ष लगाओ, धरा बचाओ' पर अनुच्छेद-लेखन कीजिए।  
(Write a paragraph on "Plant trees, save the Earth.")

.....  
.....  
.....  
.....  
.....

19. लकड़ी की कालाबाजारी को रोकने हेतु वन अधिकारी को शिकायत-पत्र लिखिए।  
(Write a complaint letter to the forest officer to stop timber black marketing.)

20. दिए गए चित्र का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।  
(Describe the given picture in your own words.)





# उन्नति का मंत्र (कविता)



अध्ययन से पूर्व (Before Study)



❖ उपरोक्त चित्र में जीवन की किन-किन अवस्थाओं को दर्शाया गया है? और इनसे क्या शिक्षा मिलती है?

### कविता परिचय (Poem Preview)

प्रस्तुत पाठ में यह बताया गया है कि समय अत्यंत मूल्यवान होता है। इसलिए, हमें समय के महत्व को पहचानना चाहिए।

### कठिन शब्द (Difficult Words)

सवेरा

अँधेरा

मुस्काना

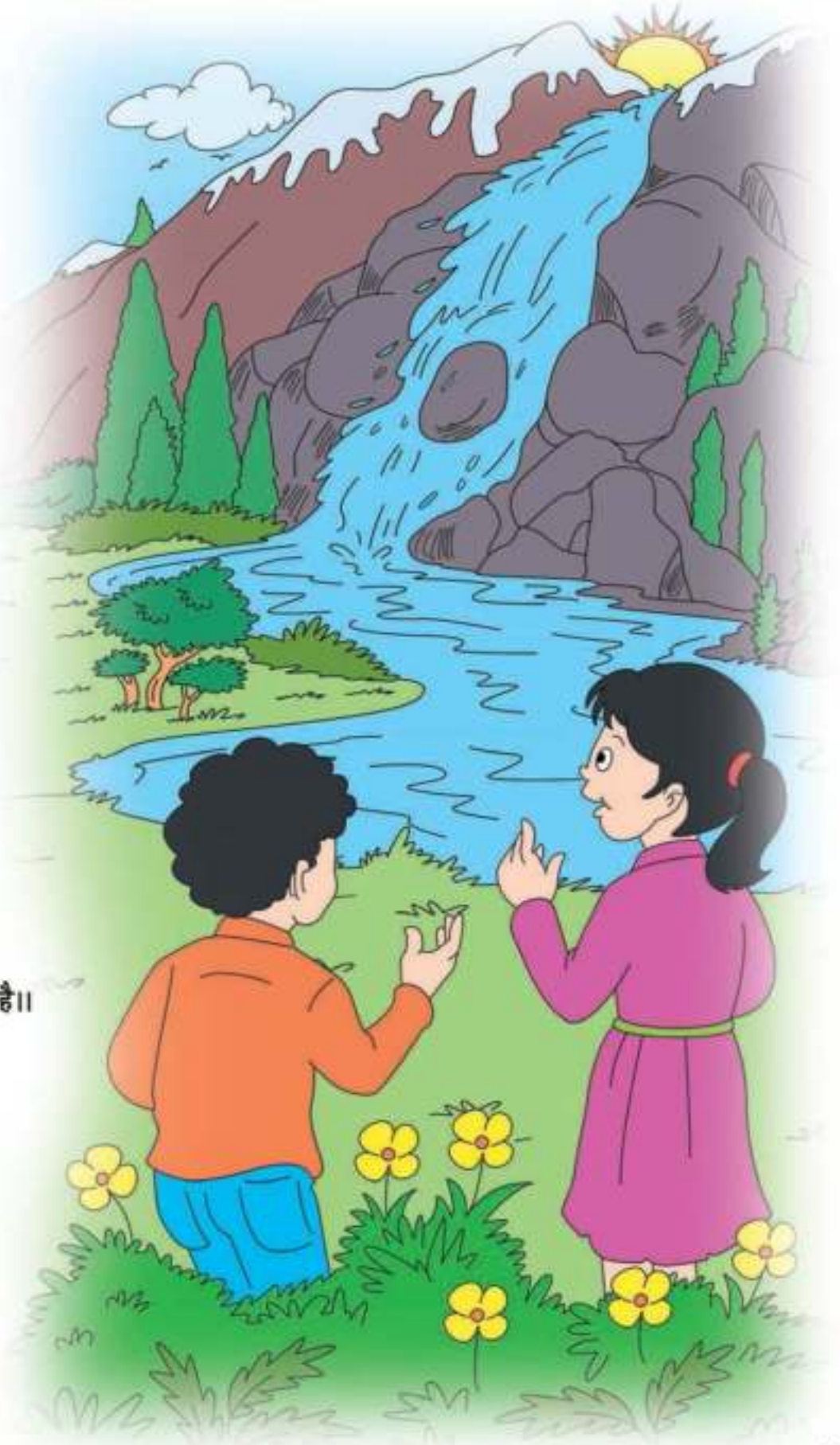
उमड़ते

नदियाँ-नाले

रजनी



कभी **सवेरा** कभी **अँधेरा**,  
 कभी चाँद मुस्काता है।  
 खिलता फूल कभी डाली पर,  
 वही कभी झड़ जाता है॥  
 कभी **बालपन** मिलता हमको,  
 कभी जवानी आती है।  
 पागल बन जब झूमा करते,  
 तभी ज़रा आ जाती है॥  
 कभी **उमड़ते** नदियाँ-नाले,  
 कभी धूल ही उड़ती है।  
 अँधेरी **रजनी** में धरती,  
 ओस-कणों से धुलती है॥  
 समय निरंतर बढ़ता जाता,  
 बदल रहा **जग-जीवन** है।  
 बदल रही है पत्ती-पत्ती,  
 बदल रहा सब कण-कण है॥  
 यदि इच्छा है सुख की तुमको,  
 समय व्यर्थ मत खोना रे।  
 जो कुछ करना, करो समय पर,  
 नहीं आलसी होना रे॥  
 समय मान है, समय प्राण है,  
 समय सभी सुख-दाता है।



समय नष्ट कर नहीं कोई भी,  
विद्या, धन, सुख पाता है।।  
नहीं समय को कभी गँवाओ,  
उन्नति का यह मंत्र सदा।  
मूल्य समय का जो पहचाने,  
टलती उसकी सब विपदा।।



### कविता का सारांश (Summary of the Poem)

The chapter, "The Mantra of Progress" (Poem), emphasizes the value of time. It teaches that time is constantly changing and that one must recognize its importance to achieve happiness. The poem advises against wasting time and promotes diligence as a key to success and progress.

### शब्दार्थ (Word Meaning)

सवेरा	= सुबह (Morning)
बालपन	= बचपन (Childhood)
उमड़ते	= उफान करते हुए (Overflowing)
रजनी	= रात, निशि (Night)
जग	= संसार, विश्व (World)
दाता	= देने वाला (Giver)
उन्नति	= प्रगति, विकास (Progress)
मूल्य	= कीमत (Value)



### उच्चारण करें (Pronounce)

मुस्काता	नदियाँ	इच्छा	व्यर्थ	नष्ट
विद्या	विपदा	प्राण	मंत्र	विपदा



### शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कविता का भावार्थ बताएँ, तथा उन्हें आलस्य से दूर रहने के लिए प्रेरित करें।  
Teachers should explain the meaning of the poem to the students and encourage them to avoid laziness.





## अभ्यास Exercise



### जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

- (क) अँधेरे में कौन मुस्काता है?
- (ख) अँधेरी रात में धरती किससे धुलती है?
- (ग) 'मान' तथा 'प्राण' कौन हैं?
- (घ) कविता में किसके मूल्य को पहचानने के लिए कहा है?



### जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write answers to the following questions.)

- (क) हमारे जीवन में कौन-से परिवर्तन आते हैं?  
.....
- (ख) सबसे मूल्यवान वस्तु क्या है? उसे किस प्रकार व्यवहार में लाना चाहिए?  
.....
- (ग) सुख की इच्छा रखने के लिए किसे बचाना आवश्यक है?  
.....
- (घ) कविता में आलसी न होने का मंत्र क्यों दिया गया है?  
.....

3. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।  
(Fill in the blanks in the given sentences.)

- (क) कभी सवेरा कभी अँधेरा, कभी ..... मुस्काता है।
- (ख) पागल बन जब झूमा करते, तभी ..... आ जाती है।
- (ग) कभी उमड़ते ....., कभी धूल ही उड़ती है।
- (घ) यदि ..... है सुख की तुमको, ..... व्यर्थ मत खोना रे।
- (ङ) समय नष्ट कर नहीं कोई भी, ..... धन सुख पाता है।



4. सही मिलान कीजिए। (Match the following correctly.)

- |            |                |
|------------|----------------|
| (क) फूल    | (i) सुख        |
| (ख) धूल    | (ii) खिलना     |
| (ग) कण-कण  | (iii) समय      |
| (घ) व्यर्थ | (iv) बदलना     |
| (ङ) मंत्र  | (v) उड़ना      |
| (च) दाता   | (vi) उन्नति का |

5. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए। (Mark the correct option with (✓).)

- (क) निरंतर क्या बढ़ रहा है?
- |                             |                              |                                 |  |
|-----------------------------|------------------------------|---------------------------------|--|
| <input type="checkbox"/> कद | <input type="checkbox"/> समय | <input type="checkbox"/> रास्ता | <input type="checkbox"/> इनमें से कोई नहीं |
|-----------------------------|------------------------------|---------------------------------|--|
- (ख) डाली पर कौन खिलता और मुरझाता है?
- |                             |                                |                              |                                   |
|-----------------------------|--------------------------------|------------------------------|-----------------------------------|
| <input type="checkbox"/> फल | <input type="checkbox"/> भैंरा | <input type="checkbox"/> फूल | <input type="checkbox"/> पत्तियाँ |
|-----------------------------|--------------------------------|------------------------------|-----------------------------------|
- (ग) पागल बन कर झूमने पर क्या आ जाता है?
- |                                  |                                |                               |  |
|----------------------------------|--------------------------------|-------------------------------|--|
| <input type="checkbox"/> बुढ़ापा | <input type="checkbox"/> जवानी | <input type="checkbox"/> बचपन | <input type="checkbox"/> इनमें से कोई नहीं |
|----------------------------------|--------------------------------|-------------------------------|--|
- (घ) हमें किसको नष्ट नहीं करना चाहिए?
- |                                 |                                 |                               |                              |
|---------------------------------|---------------------------------|-------------------------------|------------------------------|
| <input type="checkbox"/> खिलौने | <input type="checkbox"/> मिट्टी | <input type="checkbox"/> दुःख | <input type="checkbox"/> समय |
|---------------------------------|---------------------------------|-------------------------------|------------------------------|

6. कविता की पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।  
(Write the meaning of the following lines from the poem.)

- (क) कभी उमड़ते नदियाँ-नाले,  
कभी धूल ही उड़ती है।  
अँधेरी रजनी में धरती,  
ओस-कणों से धुलती है।

.....

.....

.....

.....

.....

.....





- (ख) यदि इच्छा है सुख की तुमको,  
समय व्यर्थ मत खोना रे।  
जो कुछ करना, करो समय पर,  
नहीं आलसी होना रे।
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....



### जरा सोचिए (Critical Thinking)

7. 'आलस्य इनसान को निर्बल बनाता है, जबकि परिश्रमी होना जागरूक।' ऐसा क्यों? अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।  
(Why does laziness make a person weak, while being diligent makes one alert? Express in your own words.)



### जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

8. दिए गए शब्दों के पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग शब्द लिखिए।  
(Write the masculine and feminine forms of the given words.)

(क) समय	-	.....	(ख) जवानी	-	.....
(ग) पत्ती	-	.....	(घ) पागल	-	.....
(ङ) इच्छा	-	.....	(च) सवेरा	-	.....
(छ) सुख	-	.....	(ज) टलती	-	.....

9. दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए।  
(Insert appropriate punctuation marks in the following sentences.)

**विराम चिह्न:** भाषा के लिखित रूप में जब अर्थ एवं वाक्य रचना में कुछ समय रुकने के लिए जिन संकेत-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहा जाता है। जैसे- (.), (;), (!), (?), (:), (!), (-), (.) आदि।

- (क) बीजक कबीरदास द्वारा रचित ग्रंथ है  
(ख) स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है



- (ग) नहीं उसने आपकी बात नहीं सुनी  
 (घ) क्या तुम पौष्टिक खाना खाते हो

**10. दिए गए प्रत्ययों से शब्दों का निर्माण कीजिए।  
 (Create words from the following suffixes.)**

- (क) औटी - .....  
 (ख) इयल - .....  
 (ग) आड़ी - .....  
 (घ) औना - .....  
 (ङ) इया - .....  
 (च) हरा - .....  
 (छ) आऊ - .....  
 (ज) ई - .....



**जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)**

- 11. प्रस्तुत कविता में कवि ने समय के साथ ऋतु परिवर्तन के बारे में बताया है। क्या आप जानते हैं, भारत में कितने प्रकार की ऋतुएँ पाई जाती हैं? उसके बारे में अपने अनुभव साझा कीजिए।  
 (The poet describes changes with time in the poem. Do you know how many types of seasons are found in India? Share your experiences about them.)**



**जरा विमोचन लघुाड्डु (Brain Storming Activity)**

- 12. वी गई घड़ियों के समय को देखकर पहचानिए कि वह किस समय काल की ओर संकेत को प्रदर्शित कर रही हैं?**

(Look at the times shown on the given clocks and identify which time period they are indicating.)



.....



**For Full PDF**

**Click The Link Below**